स्थापना दिवस *'महात्मा गांधीः एक लेखक और वक्ता के रूप में' पर व्याख्यान का आयोजन*

टैगोर की तरह सृजनात्मक लेखक तो नहीं थे गांधी : रामचंद्र

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'महात्मा गांधीः एक लेखक और वक्ता के रूप में' विषयक व्याख्यान देते हुए रामचंद्र गुहा ने कहा कि गांधी रवींद्रनाथ टैगोर की तरह सृजनात्मक लेखक तो नहीं थे, लेकिन उनका लेखन विभिन्न भाषाओं में, जिनमें गुजराती, अंग्रेजी और हिंदी थी, में अलग-अलग तरीकों से व्यक्त होता था। गुजराती में जहा वे भारतीय जनता से संवाद करते दीखते हैं वहीं अंग्रेजी में उनका लेखन ब्रिटिश सरकार से राजनीतिक संवाद करता हुआ नजर आता है। उन्होंने उनके लेखन के तीन उदाहरण पेश

किए, जिनमें से पहला प्राकृतिक आपदा से संबंधित था जो सन् 1934 के बिहार-भूकंप के वर्णन का था। दूसरा मानवनिर्मित आपदा के बारे में था जो 1921 में अहयोग आंदोलन के दौरान प्रिंस वेल्स के बम्बई आगमन के विरोध को लेकर था। तीसरा और अंतिम उदाहरण 1940 में सर एंड्रूज की श्रद्धांजलि से जुड़ा हुआ था। इन उदाहरणों के सहारे उन्होंने कहा कि इन तीनों में उनकी भाषा घटनाओं के अनुसार परिवर्तित हुई है। गांधी भूकंप की घटना में जानमाल को हुए नुकसान को बड़ी संवेदना से वर्णित करते हैं तो बम्बई की घटना में हिंदू-मुस्लिमों द्वारा पारसी और ईसाइयों पर किए गए हमलों की भर्त्सना करते हैं। लुई फिशर की पुस्तक के एक उदाहरण से उन्होंने बताया कि गांधी एक वक्ता के रूप में आक्रामक नहीं थे बल्कि बोलते समय बहुत ही सहज ढंग से अपनी बात रखते थे। उन्होंने गांधी के हिंद स्वराज के एक उदाहरण के आधार पर बताया कि गांधी का पूरा लेखन चार मुख्य विचारों सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक उन्नति, सांस्कृतिक एकता और अहिंसा पर केंद्रित है। उन्होंने गांधी को एक वक्ता के रूप में बहुत संयत पाया। उन्होंने गांधी द्वारा संपादित इंडियन ओपीनियन, यंग इंडिया, हरिजन के उदाहरणों द्वारा बताया कि इनके जरिये हम उनके लेखन में आए विभिन्न बदलावों को आसानी से लक्षित कर सकते हैं। गुहा ने कहा कि गांधी के विपुल लेखन का महत्तव तब और बढ़ जाता है जब हम देखते हैं कि उनका यह लेखन किसी तय स्थान पर बैठकर नहीं हुआ है, बल्कि तमाम यात्राओं और स्थानों पर अनेक काम करने के बीच उन्होंने ऐसा संभव कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि के. स्वामीनाथन और सी.एन. पटेल द्वारा गांधी वांग्मय के 97 खंडों का संपादन एक विश्वस्तरीय व्यवस्थित कार्य है।